सिंगापुर की बड़ी डाटा सेंटर कंपनी ने नोएडा में ग्रीनफील्ड डाटा सेंटर कैंपस को विकसित करने में व्यक्त की रुचि

- *एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डाटा सेंटर्स इण्डिया द्वारा नोएडा में ग्रीनफील्ड डाटा सेंटर कैंपस परियोजना प्रस्तावित*
- *पहले चरण में 600 करोड़ रुपये के निवेश से 18 मेगावाट की क्रिटिकल आईटी क्षमता विकसित करने का प्रस्ताव*
- *दूसरे चरण में 500 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश के साथ आईटी लोड डाटा सेंटर क्षमता 36 मेगावाट तक विस्तारित की जा सकेगी*
- *प्रमुख क्लाउड कंपनियों, हाइपरस्केलर्स और बड़े व्यावसायिक उद्यमों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के उद्देश्य से प्रस्तावित है डाटा सेंटर परिसर*

लखनऊ, 19 जनवरी, 2021:

उद्योग और व्यवसायों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए आवश्यक प्रमुख आईटी अवस्थापना सुविधाओं के विकास की दिशा में **सिंगापुर में आधारित एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डाटा सेंटर (एसटीटी जीडीसी) इण्डिया द्वारा नोएडा, उत्तर प्रदेश में एक ग्रीनफील्ड डाटा सेंटर कैंपस विकसित करने में रुचि व्यक्त की गई है।**

अपर मुख्य सचिव, औद्योगिक विकास, श्री आलोक कुमार के साथ सम्पन्न हुई बैठक में **एसटीटी जीडीसी इण्डिया** के प्रतिनिधि ने सूचित किया कि **पहले चरण में** कंपनी द्वारा **600 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ 18 मेगावाट की क्रिटिकल आईटी क्षमता वाले डाटा सेंटर कैंपस** को विकसित करना प्रस्तावित है। इस परियोजना में लगभग **30–40 प्रत्यक्ष और लगभग 550 परोक्ष रोजगार** के अवसरों के सृजन की सम्भावना है।

माननीय उपमुख्यमंत्री, डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार के कार्यक्रम के अनुरूप उत्तर प्रदेश सरकार **माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ** के मार्गदर्शन में डाटा सेंटर विकास और संचालन क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए अनेक कदम उठा रही है। **उन्होंने कहा** कि डाटा सेंटर सेक्टर विभिन्न क्षेत्रों में बड़े उद्यमों के लिए एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गया है।

अपर मुख्य सचिव, औद्योगिक विकास तथा आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, श्री आलोक कुमार ने कहा कि नोएडा में प्रस्तावित डाटा सेंटर कैपस को औद्योगिक हब और राष्ट्रीय राजधानी के निकट होने के साथ सुलभ अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी का भी लाभ उपलब्ध होगा। **उन्होंने कहा** कि नोएडा में और उसके आसपास के क्षेत्र में बड़ी संख्या में उद्योगों और प्रमुख आईटी कंपनियों की उपस्थिति से इस क्षेत्र को उत्तर भारत में एक प्रमुख डाटा सेंटर हब के रूप में विकसित करने में सहायता मिलेगी।

श्री आलोक कुमार ने कहा– "वेब आधारित और डिजिटल रूप से संचालित अर्थव्यवस्था के बढ़ते हुए महत्व के दृष्टिगत् राज्य सरकार उद्योगों, उद्यमों और नागरिकों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए अत्याधुनिक डाटा और आईटी पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के उद्देश्य से नई डाटा सेंटर नीति तैयार कर रही है।"

डाटा सेंटर कैंपस की स्थापना के लिए निवेशक द्वारा नोएडा में लगभग **तीन एकड़ के एक लैंड पार्सल** को चिन्हित कर लिया गया है। **दूसरे चरण में 500 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश** के साथ **आईटी लोड डेटा सेंटर क्षमता 36 मेगावाट तक विस्तारित** की जा सकेगी। दूसरा चरण पूरा होने के बाद परियोजना में लगभग 1100 करोड़ रुपये का कुल निवेश अनुमानित है तथा लगभग 80 प्रत्यक्ष और लगभग 1000 अप्रत्यक्ष और प्रेरित रोजगार के अवसरों के सृजन की सम्भावना है।

प्रस्तावित **डाटा सेंटर कैंपस का उद्देश्य** प्रमुख क्लाउड कंपनियों, हाइपरस्केलर्स (डेटा सेंटर के संचालक जो स्केलेबल क्लाउड कंप्यूटिंग सेवाएं प्रदान करते है) और बड़े उद्यमों को सेवाएं प्रदान करना है।

डाटा सेंटर सूचना और एप्लीकेशंस को स्टोर करने, प्रोसेसिंग और प्रसार के उद्देश्य से एक संगठन या संस्था की साझा आईटी गतिविधियों और उपकरणों को केंद्रीयकृत करने की सुविधा प्रदान करता है।

पूर्व में टाटा कम्युनिकेशंस डाटा सेंटर प्रा. लि. के नाम से प्रचलित, एसटीटी ग्लोबल डाटा सेंटर इण्डिया, सिंगापुर की एसटी टेलीमेडिया ग्लोबल डेटा सेंटर की सहायक कंपनी है। एसटीटी डीसीजी इण्डिया 110 मेगावाट से अधिक की आईटी लोड क्षमता के साथ भारत के आठ शहरों में 16 डाटा सेंटर संचालित करती है, जबकि मूल होल्डिंग कंपनी – एसटी टेलीमीडिया–सिंगापुर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से विभिन्न देशों में 112 से अधिक डाटा सेंटर्स को संचालित करती है।

———————